वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 306 बुधवार 8 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आरोहण 2026 का आयोजन

आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही: बैरवा

एनआईए का मानद विश्वविद्यालय का दर्जा हुआ स्थायी

जयपुर. कासं

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में आरोहण-आयुर्वेद अधिवेशन एवं सम्मान समारोह 2026 का आयोजन जोरावर सिंह गेट स्थित संस्थान परिसर में मंगलवार को किया गया।

कार्यक्रम में देशभर से आए विशिष्ट अतिथियों, विशेषज्ञों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों एवं आयुष क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम से पूर्व राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने संस्थान के अस्पताल, ओपीडी एवं कैंटीन का निरीक्षण किया तथा आमजन एवं रोगियों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की सराहना की। इस अवसर पर यह भी उल्लेखनीय रहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को मानद विश्वविद्यालय का दर्जा स्थायी रूप से प्रदान किया गया है, जिससे संस्थान की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, विशिष्ट अतिथि बालमुकुंदाचार्य (विधायक, हवामहल विधानसभा क्षेत्र) एवं संस्थान के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजीव शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर एवं आत्मन फाउंडेशन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि प्रेम चंद बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आमजन को आयुर्वेद के माध्यम से बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोहण जैसे कार्यक्रम आयुर्वेद क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों एवं व्यक्तियों को पहचान देने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान सरकार, भारत सरकार के साथ मिलकर आयुष सेवाओं को मजबूत करने एवं आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संस्थान के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजीव शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान शिक्षा, अनुसंधान एवं चिकित्सा के माध्यम से आयुर्वेद को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 13 नवम्बर 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संस्थान को मानद विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था, जिसे अब स्थायी कर दिया गया है।

स्वस्थ तन और मन के लिए जीवन में खेल जरूरी: राज्यपाल

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को विद्याधर नगर स्थित स्टेडियम में राजस्थान यूनाईटेड फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित 'इण्डियन फुटबाल लीग' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन और मन लिए खेल जरूरी है। उन्होंने खेलो इंडिया के तहत भारतीय खेलों के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। बागड़े ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे फुटबॉल खिलाड़ियों को खेल में उम्दा प्रदर्शन कर अपनी टीम को विजयी बनाने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि फुटबॉल तेजी से विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल बनता जा रहा है। इसका इतिहास दो हजार साल से अधिक पुराना है। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक फुटबॉल का जन्म 19वीं सदी में इंग्लैंड में हुआ। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल संघ (फीफा) की स्थापना 1904 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई। इसके संस्थापक सदस्यों में बेल्जियम, फ्रांस, डेनमार्क, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड शामिल थे। पेरिस में 1900 में हुए विश्व कप के बाद हर विश्व कप में यह खेल खेला गया है। महिलाओं की प्रतियोगिता को अटलांटा 1996 के खेलों में शामिल किया गया था। राज्यपाल ने भारत में फुटबॉल खेल के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में महिला फुटबॉल की 1990 के दशक में शुरूआत हुई। पुरुषों के खेल की तरह ही, महिलाओं के खेल में भी शुरूआती खिलाड़ी पश्चिम बंगाल राज्य से थीं। उन्होंने भारतीय फुटबॉल के पथ प्रदर्शक नागेंद्र प्रसाद को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ही सबसे पहले कोलकाता और बंगाल में कई फुटबॉल क्लब स्थापित किए।

नगर निगम की नकारात्मक छवि बदलने के लिए आयुक्त ओम कसेरा ने दिए निर्देश

धरातल पर गुणवत्तापूर्ण काम सुनिश्चित करने का किया अनुरोध

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाये

जयपुर. कासं

नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय पर समस्त जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त, अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, राजस्व अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों की प्रथम बैठक ली। बैठक में आयुक्त ने आमजन के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, कार्यों को धरातल पर गुणवत्तापूर्ण व निर्धारित समयावधि में समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने प्रथम बैठक में ही स्पष्ट संकेत दिये कि अब कार्यशैली में बदलाव अनिवार्य है। उन्होंने आमजन के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सभी कार्यों को समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने के निर्देश दिये। 2 घंटे से भी अधिक चली इस मैराथन बैठक में आयुक्त ने पीपीटी प्रजेटेशन के माध्यम से प्रत्येक शाखा के कार्यो का गहन विशलेषण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में आयुक्त ने स्वास्थ्य शाखा, स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के अन्तर्गत किये जा रहे कार्य, राजस्व शाखा, पशु प्रबंधन शाखा, उद्यान शाखा, गैराज शाखा, विद्युत शाखा, हैरिटेज सेल द्वारा किये जा रहे कार्य, एसीटीपी प्रकोष्ठ, प्रोजेक्ट शाखा, अग्निशमन शाखा, आयोजना शाखा सहित अन्य शाखाओं के कार्यो व प्रगति के बारे में जानकारी ली। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

उदयपुर में 500 से अधिक गौभक्तों की सहभागिता

108 गौशालाओं की श्रृंखला से मेवाड़ की परंपरा को वैश्विक पहचान देने का संकल्प

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गुरु कमल चंद्रोशन गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित ''छप्पन भोग'' श्रृंखला का शुभारंभ रविवार को महाकालेश्वर मंदिर स्थित गौशाला में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ हुआ। इस भव्य आयोजन में 500 से अधिक गौभक्तों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। ट्रस्ट के संस्थापक संजय जैन ने बताया कि यह श्रृंखला 108 गौशालाओं में आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य गौ सेवा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और समाज के अधिकाधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि उदयपुरवासियों के सहयोग और उत्साह ने पहले आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं ब्रांड एंबेसडर 'राजस्थान गौरव' डॉ. जिनेंद्र शास्त्री ने अपने उद्बोधन में गौ सेवा को भारतीय संस्कृति की आत्मा बताते हुए इसे वैश्विक मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने ट्रस्ट को 'गो रथ' उपलब्ध कराने की घोषणा कर सेवा कार्यों को नई गति देने का भरोसा दिलाया। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय कवि राव अजात शत्रु ने गौ सेवा को मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा पवित्र कार्य बताया। विशिष्ट अतिथि एडवोकेट निर्मल पंडित ने कहा कि गौ सेवा केवल भोजन तक सीमित नहीं, बल्कि उनके संरक्षण, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन की जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर गौ माता को 56 प्रकार के व्यंजन अर्पित किए गए और विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में कई भामाशाहों का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। महासचिव सीमा जैन ने जानकारी दी कि श्रृंखला का अगला आयोजन 11 अप्रैल 2026 को हरि गौशाला, रघुनाथपुरा में आयोजित होगा। अंत में ट्रस्ट अध्यक्ष मुकेश जैन ने सभी अतिथियों, सहयोगियों और गौभक्तों का आभार व्यक्त करते हुए इसे सेवा, भक्ति और संस्कृति का प्रेरणादायी संगम बताया।

रिपोर्ट /फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

यशदीप त्यागी: छोटे शहर का बड़ा सितारा

एसीजी एनबीएस नेशनल में उदयपुर का नाम किया रोशन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के सुंदर शहर उदयपुर से निकलकर एक 9वीं कक्षा के छात्र यशदीप त्यागी ने पूरे देश को अपनी बास्केटबॉल प्रतिभा से चकित कर दिया है। जिस तरह क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी ने 14 वर्ष की आयु में विश्वपटल पर अपनी छाप छोड़ी है उसी तरह यशदीप भी 14 वर्ष का प्रतिभावन खिलाड़ी है। यशदीप के पिता जय प्रकाश त्यागी भारतीय सेना से सूबेदार रैंक पर रिटायर्ड हैं वर्तमान में पीआईएमएस में कार्यरत हैं और माता डॉ. रजनी त्यागी पीम्स आयुर्वेद विभाग में कार्यरत हैं। यशदीप ने अंडर-14 जूनियर एसीजी एनबीए नेशनल चैंपियनशिप में उदयपुर का प्रतिनिधित्व कर इतिहास रच दिया, प्रदेश की टीम में उदयपुर से खेलने वाला यशदीप एकमात्र खिलाड़ी रहा। आलोक स्कूल में पढ़ने वाले इस नन्हें योद्धा ने न सिर्फ अपने परिवार का सिर गर्व से ऊंचा किया, बल्कि अपने कोच डी. चुंडावत और युवराज सिंह बीएन इंडोर बास्केटबाल एकेडमी, उदयपुर का भी नाम देशभर में चमका दिया है। कोच डी. चुण्डावत और पिता जय प्रकाश त्यागी ने बताया कि नेशनल टूर्नामेंट में यशदीप के नेतृत्व में टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंची। पढ़ाई के साथ में मेहनत करने पर सफलता पाना मुश्किल नहीं है। एक आम परिवार का बच्चा, जहां पिता ने देश की सीमाओं पर ड्यूटी निभाई और मां चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा दे रही हैं, वह खेल के मैदान पर तिरंगा लहरा रहा है। यशदीप की बास्केटबॉल में गजब की रुचि ने उसे कठिन ट्रेनिंग के जरिए नेशनल स्तर तक पहुंचाया। कोच युवराज सिंह का कहना है कि यशदीप की मेहनत और दक्षता को देखकर लगता है कुछ ही समय में देश की टीम में खेलता हुआ नजर आएगा। क्रिकेट की तरह बास्केटबॉल भी तेज रफ्तार, रणनीति और टीमवर्क का खेल है। दोनों ही खेल करियर की सीढ़ी चढ़ने का सुनहरा माध्यम हैं। यशदीप की यह जीत उदयपुर के हजारों युवाओं के लिए मिसाल है। बच्चे मेहनत करें तो क्रिकेट के साथ अन्य खेलों में भी करियर को ऊचांईयों तक पहुंचाया जा सकता है।

रिपोर्ट/फोटो: सावन दोसी

वर्ल्ड हेल्थ डे पर पीआईएमएस, उदयपुर में विचारों का सशक्त मंचन

उदयपुर

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर Pacific Institute of Medical Sciences, Sai Tirupati University में "क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटलीकरण लैंगिक असमानताओं को बढ़ा रहा है?" विषय पर एक विचारोत्तेजक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जेंडर चैंपियन समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) सेल के संयुक्त तत्वावधान में "टुगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विथ साइंस" थीम के

अनुरूप संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए डिजिटल हेल्थ सेवाओं की उपलब्धता, तकनीकी पहुंच और उससे उत्पन्न लैंगिक अंतर जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने तर्क प्रस्तुत किए। पक्ष और विपक्ष में उतरे प्रतिभागियों ने यह स्पष्ट किया कि जहां डिजिटल माध्यम स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बना रहे हैं, वहीं डिजिटल डिवाइड नई असमानताओं को भी जन्म दे सकता है। निर्णायक मंडल में डॉ. दिलीप कुमार एल, डॉ. एल.एन. मीणा, डॉ. अश्विनी खैरकर एवं डॉ. नीलिमा गोयल ने निष्पक्ष मूल्यांकन किया। साथ ही विद्यार्थियों ने Indian Association of Preventive and Social Medicine द्वारा आयोजित राष्ट्रीय क्विज़ में भी भागीदारी निभाई।कार्यक्रम का मार्गदर्शन डॉ. श्रीनिधि, डॉ. बी.जे. प्रदीप कुमार, डॉ. पूजा सिंह एवं डॉ. अवंतिका गुप्ता ने किया। अंत में प्राचार्य डॉ. सुरेश चंद्र गोयल एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सरिता कांत ने विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।रिपोर्ट/फोटोः दीपक तेली

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में उत्कृष्ट कार्यों का होगा सम्मान

जबलपुर से 100 से अधिक सदस्य 10 अप्रैल को होंगे रवाना

जबलपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय-अनिता जैन के नेतृत्व में महाकोशल-विंध्य क्षेत्र से 100 से अधिक राष्ट्रीय, रीजन एवं ग्रुप पदाधिकारी सपत्नीक 10 अप्रैल को राजस्थान स्थित प्रसिद्ध चांदखेड़ी अतिशय जैन तीर्थ क्षेत्र में आयोजित 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने हेतु रवाना होंगे। प्रतिनिधिमंडल जबलपुर से दयोदय एक्सप्रेस द्वारा 10 अप्रैल की रात्रि प्रस्थान करेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन द्वारा दी गई।

राष्ट्रीय स्तर पर होगा सम्मान

अधिवेशन में वर्ष 2025 के दौरान देशभर के 350 से अधिक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप्स द्वारा किए गए उत्कृष्ट सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों के आधार पर राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ बैनर प्रेजेंटेशन, स्क्रैपबुक, नवाचार गतिविधियों सहित अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। विशेष रूप से, उत्कृष्ट योगदान देने वाले राष्ट्रीय, रीजन एवं ग्रुप स्तर के पदाधिकारियों को भी मंच पर सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झाँझरी, महासचिव विनय जैन, कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल एवं निवर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायका के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आयोजित 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन (12 अप्रैल 2026, चांदखेड़ी) के सफल आयोजन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार निम्नलिखित राष्ट्रीय कार्याध्यक्षों को कॉन्फ्रेंस प्रभारी नियुक्त किया गया है सुरेंद्र कुमार पांड्या, सुशील पांड्या, यशकमल अजमेरा इसी क्रम में, शिरोमणि संरक्षक पुष्पा-प्रदीप कासलीवाल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी के मार्गदर्शन में निम्नलिखित वरिष्ठ पदाधिकारियों को कॉन्फ्रेंस संरक्षक नियुक्त किया गया है विमल अजमेरा, निर्मल सेठी, हेमचंद्र झांझरी, टी. के. वेद, हसमुख गांधी, राजेश लॉरेल, कमलेश कासलीवाल फेडरेशन द्वारा सभी नियुक्त प्रभारियों एवं संरक्षकगणों से अपेक्षा व्यक्त की गई

है कि वे इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं संगठनात्मक भावना के साथ करते हुए अधिवेशन को सफल बनाएंगे। राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन द्वारा सभी नवमनोनित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं। महाकोशल-विंध्य से अधिवेशन में शामिल हो रहे प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख नाम, इस प्रतिनिधिमंडल में अतिरिक्त महासचिव प्रशांत-प्रियांशी जैन, प्रवीण सिंघई, निवर्तमान रीजन अध्यक्ष प्रदीप जैन, रीजन अध्यक्ष सीए मनोज-साधना जैन, सचिव हेमंत-सपना जैन, कोषाध्यक्ष सुनील-चित्रा घिया, विशेष आमंत्रित सदस्य मुल्कराज-अंजली बादशाह, निदेशक मंडल सदस्य नवीन-मनीषा जैन,जबलपुर मेन ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष आजाद-सीमा जैन, पूर्व अध्यक्ष विकास-शिखा जैन, सतना मेन ग्रुप से सतीश-शशि जैन, कटनी मेन ग्रुप से संजय जैन, संस्थापक अध्यक्ष मगन जैन, अध्यक्ष सुधीर जैन, वरिष्ठ पदाधिकारी ई. आदेश जैन, कटनी रॉयल ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष अर्पित जैन एवं अध्यक्ष आकेत जैन सहित अनेक पदाधिकारी शामिल रहेंगे।

ऐतिहासिक संकल्प: छत्रपति संभाजीनगर में नौ अप्रैल को गूँजेगा विश्व नवकार महामंत्र

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया। वैश्विक शांति और आत्मशुद्धि के पावन उद्देश्य से नौ अप्रैल दो हजार छब्बीस को 'विश्व नवकार दिवस' पर यहाँ एक अभूतपूर्व सामूहिक जप अनुष्ठान का आयोजन होने जा रहा है। सकल जैन समाज और नवकार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में एक हजार आठ करोड़ नवकार महामंत्र के वैश्विक संकल्प की पूर्ति की जाएगी। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए देश के गृह राज्य मंत्री अमित भाई शाह स्वयं मंत्रोच्चार के साथ इस अनुष्ठान का शुभारंभ करेंगे। हीराकाका प्रांगण में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के एक सौ आठ देशों की छह हजार से अधिक संस्थाएं और पचास हजार साधु-साध्वी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार संचेती और राजेंद्र दर्डा ने बताया कि इस आध्यात्मिक प्रक्रिया में जातीय बाधाओं को तोड़कर सभी समुदायों के नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। प्रकल्प प्रमुख रवी मुगदिया के अनुसार, पिछले सत्ताईस दिनों से जारी इस अनुष्ठान में अब तक सात सौ चालीस करोड़ जप का सटीक आँकड़ा दर्ज किया जा चुका है। समारोह में भक्ति संगीत और साध्वी जी के आशीर्वाद के साथ-साथ प्रतिभागियों हेतु लकी ड्रॉ और प्रभावना की भी व्यवस्था की गई है। शहर की पचास से अधिक संस्थाएं इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। यह महोत्सव छत्रपति संभाजीनगर की धरती से एकता और अहिंसा का संदेश पूरे विश्व तक पहुँचाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सिद्धक्षेत्र तारंगा जी में जैन विद्वानों का भव्य सम्मान

तपोवन की आध्यात्मिक आभा ने मोहा मन

सनावद/गुजरात. शाबाश इंडिया। गुजरात के सुप्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी स्थित संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर तपोवन तीर्थ पर सोमवार को एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन भारती और युवा विद्वान प्रियम जैन सहित देश के कई प्रतिष्ठित जैन मनीषियों को सम्मानित किया गया। समारोह में ब्रह्मचारी सुनील भैया ने अतिथियों का तिलक लगाकर और अहिंसा पट्टिका पहनाकर स्वागत किया। सम्मान स्वरूप विद्वानों को पवित्र जिनवाणी तथा आचार्य श्री विद्यासागर, आचार्य समय सागर एवं मुनिपुंगव श्री सुधा सागर महाराज का चित्र भेंट किया गया। डॉ. भारती ने सुरम्य पहाड़ियों के बीच स्थित त्रिकाल चौबीसी और वासुपूज्य जिनालय की भव्यता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। डॉ. सुरेन्द्र भारती ने इस तपोवन की तुलना प्राचीन ऋषि कण्व के आश्रम से करते हुए इसे त्याग और तपस्या का अनुपम केंद्र बताया। सम्मानित होने वाले अन्य प्रमुख विद्वानों में अखिल भारतीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद के अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन, उपाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती, महामंत्री संजीव जैन, राजेंद्र जैन सुमन, जितेंद्र जैन, दीपेश जैन और विदुषी ज्योति जैन व नीलम सर्राफ सहित कई गणमान्य जन सम्मिलित थे। तीर्थ क्षेत्र के आध्यात्मिक वातावरण ने सभी आगंतुकों को भाव-विभोर कर दिया।

राजनीति

अपनों के हाशिये पर क्यों?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने जब भारतीय राजनीति के पटल पर कदम रखा, तो उसने एक नई उम्मीद और वैकल्पिक राजनीति का संचार किया था। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से जन्मी इस पार्टी ने पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ पारंपरिक राजनीति को चुनौती दी। नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 'आप' ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर उल्लेखनीय कार्य कर जनता का अटूट विश्वास जीता। किंतु समय के चक्र के साथ कुछ ऐसे कारण उभरे हैं, जिनसे जनता के एक बड़े वर्ग में पार्टी के प्रति मोहभंग की स्थिति उत्पन्न हो गई है। शुरूआत में 'नई राजनीति' का दावा करने वाली इस पार्टी पर अब वही पारंपरिक राजनीतिक हथकंडे अपनाने के आरोप लग रहे हैं। दल-बदल, अवसरवादी राजनीतिक समझौते और केवल सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जिस दल ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई से अपनी पहचान बनाई, आज वही विभिन्न घोटालों के आरोपों से घिरा है। विशेषकर दिल्ली की आबकारी नीति को लेकर उपजे विवाद ने पार्टी की छवि को गहरा आघात पहुंचाया है, जिससे जनमानस के भरोसे में कमी आई है। पार्टी के भीतर वैचारिक मतभेद और सत्ता के केंद्रीकरण की समस्या भी निरंतर बढ़ी है। समय-समय पर संस्थापक सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं का निष्कासन या उनका अलग होना संगठन की आंतरिक कलह को दर्शाता है। योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण जैसे बौद्धिक चेहरों के अलग होने से शुरू हुआ यह सिलसिला थमा नहीं है। प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास, जिन्होंने अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर केजरीवाल का साथ दिया था, उनका अलग होना पार्टी के लिए एक बड़ा भावनात्मक और सांगठनिक झटका था। इसके पश्चात शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी और स्वाति मालीवाल जैसे कद्दावर नाम भी साथ छोड़ चुके हैं। वर्तमान में दिल्ली की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल युवा चेहरा राघव चड्ढा को लेकर खड़ा हुआ है। राष्ट्रीय राजनीति में कम समय में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले चड्ढा और पार्टी नेतृत्व के बीच बढ़ती दूरियों ने 'पुरानी बोतल में नई शराब' वाली स्थिति उत्पन्न कर दी है। राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर अशोक मित्तल को उपनेता नियुक्त किया जाना इस मतभेद की पुष्टि करता है।

संपादकीय

वादों की बौछार और सत्ता की जद्दोजहद

असम विधानसभा चुनाव की तारीख ज्यों-ज्यों नजदीक आ रही है, राज्य का राजनीतिक तापमान अपने चरम पर पहुंच गया है। लोक-लुभावने वादों और तीखे आरोप-प्रत्यारोपों के दौर ने चुनावी फिजा को पूरी तरह गरमा दिया है। हालांकि, औपचारिक चुनाव प्रचार थमने के साथ ही शोर-शराबा तो शांत हो गया है, लेकिन मतदाताओं के मन में उठ रहे कई जटिल प्रश्न अब भी अनुत्तरित हैं। इस बार का चुनाव न केवल असम के भविष्य की

दिशा तय करेगा, बल्कि भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए साख का बड़ा सवाल बन गया है। सत्ता की वापसी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने मोर्चा संभाला हुआ है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाते हुए भ्रष्टाचार के मुद्दों को ढाल बनाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी जनसभाओं में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए यहां तक कह दिया कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनते ही उन्हें जेल भेजा जाएगा। इस प्रहार का जवाब देते हुए सरमा ने पलटवार किया और कहा कि कांग्रेस सात जन्मों में भी ऐसा नहीं कर पाएगी, क्योंकि राज्य की जनता उन्हें सत्ता में दोबारा आने ही नहीं देगी। सत्ताधारी एनडीए के पक्ष में माहौल बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। भाजपा का मुख्य एजेंडा विकास और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा है। वहीं, विपक्षी गठबंधन की ओर से राहुल गांधी, गौरव गोगोई और इमरान प्रतापगढ़ी जैसे नेता धुंआधार प्रचार कर रहे हैं। विपक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई और सीएए जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की है। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर आगामी 9 अप्रैल को मतदान होना है। प्रचार थमने के साथ ही अब डोर-टू-डोर जनसंपर्क का दौर शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, असम सहित अन्य चुनावी राज्यों की मतगणना एक साथ 4 मई को संपन्न होगी। राज्य विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो रहा है, जिससे पहले नई सरकार का गठन अनिवार्य है। गांव-कस्बों में सजे पोस्टर, झंडे और रैलियों ने स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता इस बार बहुत कुछ सोचकर पोलिंग बूथ तक जाएगा। राजनीतिक समीकरणों को समझें तो वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 93 सीटों पर चुनाव लड़कर 60 सीटों पर कब्जा जमाया था। उसके नेतृत्व वाले एनडीए ने कुल 126 में से 75 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था। हालांकि, 2016 के मुकाबले एनडीए को 11 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था। दूसरी ओर, विपक्षी खेमे में कांग्रेस ने 95 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन उसे महज 29 सीटों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस गठबंधन (महाजोत) ने कुल 50 सीटें जीती थीं, जो 2016 के मुकाबले 10 सीटों की बढ़त थी। असम का चुनावी दंगल इस बार बेहद दिलचस्प है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब शृंखलाओं के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है, तो वह दक्षिण कोरिया है। दक्षिण कोरियाई धारावाहिक आज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग इन धारावाहिकों से प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का चमत्कार नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का परिणाम है। इन धारावाहिकों का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। इनमें परिवार, प्रेम और संघर्ष के साथ-साथ मानसिक तनाव, आजीविका की चुनौतियां और सामाजिक दबाव का चित्रण होता है, लेकिन इन सबके साथ एक समाधान और सकारात्मकता भी जुड़ी होती है। इनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक होने के बजाय आम आदमी जैसे होते हैं। इनकी एक और विशेषता इनका सीमित अंकों में बँधा होना है, जिससे अनावश्यक विस्तार और अंतहीन षड्यंत्रों के लिए कोई स्थान नहीं रहता। यह दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करता है। इसके विपरीत, यदि हम भारतीय टेलीविजन धारावाहिकों की ओर देखें, तो स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक आज भी सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार और ईर्ष्या के इर्द-गिर्द घूमते हैं। जो परिवार प्रेम और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे राजनीति का अड्डा बना दिया जाता है, जिससे समाज में नकारात्मक मानसिकता पनपती है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत भिन्न नहीं है, जहाँ अधिकांश कथाएँ मारधाड़, नायकत्व और अवास्तविक प्रेम कहानियों तक सीमित हैं। आज समाज जिन वास्तविक समस्याओं जैसे अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट से जूझ रहा है, उन पर आधारित सामग्री का नितांत अभाव है। दक्षिण कोरियाई धारावाहिकों की लोकप्रियता का एक मुख्य कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। कई धारावाहिक मानसिक स्वास्थ्य, चिकित्सा जगत के संघर्षों, शिक्षकों के जीवन और लघु उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर केंद्रित होते हैं, जो दर्शकों को आक्रामक बनाने के बजाय संवेदनशील बनाते हैं। भारत में भी 'हम लोग', 'बुनियाद', और 'उड़ान' जैसे कुछ कालजयी धारावाहिक बने हैं, जिन्होंने समाज को सकारात्मक संदेश दिए, किंतु वर्तमान में इनकी संख्या नगण्य है। मनोरंजन का वास्तविक उद्देश्य केवल मन बहलाना नहीं, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि कोई प्रस्तुति व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए और समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, तो वही वास्तविक मनोरंजन है। वर्तमान समय में, जब मानसिक बीमारियाँ और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं, मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। निमार्ताओं का यह तर्क कि 'दर्शक यही देखना चाहते हैं', केवल आधा सच है। वास्तविकता यह है कि यदि दर्शकों को सार्थक और संवेदनशील सामग्री मिलेगी, तो वे उसे अवश्य पसंद करेंगे, जैसा कि वे आज दक्षिण कोरियाई सामग्री के साथ कर रहे हैं। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। मनोरंजन उद्योग केवल एक व्यापार नहीं, बल्कि समाज निर्माण का माध्यम भी है।

मानवता की सेवा करने वाले 'जीवन रक्षक' सम्मानित

सन्मति ग्रुप द्वारा पंचम जीवन रक्षक सम्मान समारोह आयोजित; चिकित्सा, शिक्षा और रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियां पुरस्कृत

चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए दो समाज सेवियों नीरज गंगवाल तथा डॉक्टर पी सी जैन को जीवन रक्षक सम्मान देकर किया सम्मानित...

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के महावीर स्कूल सभागार में 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति' द्वारा समाज भूषण स्वर्गीय राजेंद्र के गोधा की स्मृति में 'पंचम जीवन रक्षक सम्मान समारोह' का अत्यंत भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से योगदान देने वाली प्रतिभाओं एवं संस्थाओं को सम्मानित कर उनके प्रयासों की सराहना की गई।

सेवा और समर्पण का सम्मान

सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष और मुख्य समन्वयक राकेश-समता गोदिका ने जानकारी दी कि समारोह में इस वर्ष कुल चौबीस रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं को 'जीवन रक्षक सम्मान' से नवाजा गया। कार्यक्रम में पहली बार चिकित्सा के माध्यम से समाज सेवा करने वाले दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों, नीरज गंगवाल और डॉ. पी सी जैन को भी इस विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक संबल प्रदान करने वाले भामाशाह परिवारों, जिनमें भागचंद-कमला देवी, प्रदीप-प्राची, अभय-शिमला बाकलीवाल (लांगडियावास परिवार) और अश्विनी-मधु गोधा (नेमीसागर परिवार) शामिल हैं, को 'शिक्षा सहयोग सम्मान' प्रदान किया गया।

भक्ति और संगीत की सरिता

मुख्य समन्वयक राजेश-सीमा बडजात्या के अनुसार, समारोह का सांस्कृतिक पक्ष भी अत्यंत मनमोहक रहा। उभरते हुए युवा गायक ईशान जैन और प्रिया जैन ने जैन भजनों की प्रस्तुति देकर संपूर्ण सभागार को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'संगीतमय हाऊजी' (एक प्रकार का मनोरंजक खेल) रहा, जिसमें प्रसिद्ध गायिका समता गोदिका ने अपनी मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को संरक्षक और पुरस्कार पुण्यार्जक सुरेंद्र-मृदुला पांड्या द्वारा वाशिंग मशीन, वाटर कूलर और मिक्सर ग्राइंडर जैसे हजारों रुपये के पुरस्कार वितरित किए गए।

शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक सहयोग के लिए दो भामाशाहों भागचंद कमला देवी बाकलीवाल लंगडियावास तथा अश्विनी मधु गोधा नेमीसागर निवासी का किया शिक्षा सहयोग सम्मान

अतिथियों का जमावड़ा

समारोह की अध्यक्षता दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के मानद मंत्री उमराव मल संघी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाज सेवी अशोक चांदवाड़ उपस्थित रहे, जबकि दीप प्रज्वलन मुनि संघ समिति के अध्यक्ष राजीव-सीमा (गाजियाबाद) द्वारा किया गया। गौरवमयी अतिथियों में नंदकिशोर, प्रमोद पहाड़िया, शैलेंद्र गोधा (संपादक, समाचार जगत) और सुरेंद्र कुमार-मृदुला पांड्या शामिल थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में महेश काला, ज्ञान चंद झांझरी, सुरेश चंद, ऋषभ जैन, कमल चंद और बसंत जैन सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सफल संयोजन और आभार

ग्रुप अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी और निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोग्या ने बताया कि समारोह का सफल संचालन मुख्य समन्वयक दर्शन-विनीता जैन, राकेश-समता गोदिका और राजेश-सीमा बडजात्या के साथ पूरी समन्वय समिति के अथक परिश्रम का परिणाम रहा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा और राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यशकमल अजमेरा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। मंच का कुशल संचालन नीरज जैन ने किया और अंत में राकेश गोदिका ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। @...पेज 6 पर

मानवता को समर्पित शाम: चिकित्सा और शिक्षा के 'रत्न' हुए सम्मानित, भक्ति के सुरों से महका सभागार

आदिनाथ से महावीर जयंती तक 24 रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं को समाज भूषण स्वर्गीय राजेंद्र जी गोधा स्मृति पंचम जीवन रक्षक सम्मान से किया सम्मानित

दो युवा गायकों ईशान जैन और प्रिया जैन द्वारा भक्ति संध्या में दी गई भव्य प्रस्तुति

समारोह के गौरवमयी अतिथि

नंदकिशोर, प्रमोद पहाड़िया (एआरएल समूह), शैलेंद्र गोधा (संपादक, समाचार जगत), सुरेंद्र कुमार-मृदुला पांड्या (पुरस्कार पुण्यार्जक तथा राष्ट्रीय महामंत्री, दिगंबर जैन महासमिति) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के मानद मंत्री उमराव मल संघी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी तथा मुनि भक्त अशोक चांदवाड़ उपस्थित रहे एवं दीप प्रज्ज्वलन मुनि संघ समिति के अध्यक्ष राजीव-सीमा (गाजियाबाद) द्वारा किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला, प्रमुख समाजसेवी ज्ञान चंद झांझरी, सुरेश चंद, ऋषभ जैन (मुरलीपुरा निवासी), कमल चंद, अमित चांदवाड़ (केएमटी लॉजिस्टिक) तथा श्रीमती निर्मला देवी व बसंत जैन (सरस्वती प्रिंटर्स) उपस्थित रहे। @... पेज 7

सन्मति ग्रुप का बड़ा कदम: रक्तदान संस्थाओं और भामाशाहों का गौरव बढ़ा, सेवा के साथ मनोरंजन का अनूठा संगम

प्रसिद्ध गायिका समता गोदिका द्वारा प्रस्तुत लाइव म्यूजिकल हाऊजी में धर्म लाभ के साथ साथ पुण्यार्जक सुरेंद्र मृदुला पांड्या ने विजेताओं को दिए हजारों के पुरस्कार

विश्व कल्याण के लिए नौ अप्रैल को गूंजेगा नवकार महामंत्र

विधानसभा अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की राजधानी में आगामी नौ अप्रैल, गुरुवार को 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। मालवीय नगर स्थित अनुविभा केंद्र में प्रातः साढ़े आठ से साढ़े दस बजे तक आयोजित होने वाले इस आध्यात्मिक समागम में विश्व शांति और कल्याण हेतु सामूहिक मंत्र जाप किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस पावन अवसर पर जयपुर में विराजित विभिन्न जैन आचार्य, पूज्य संत और साध्वियों का सानिध्य प्राप्त होगा, जो भक्तों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया है। संघ प्रभावना के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम हेतु प्रतिभागियों को प्रातः आठ बजे रिपोर्टिंग करने का सुझाव दिया गया है। सामूहिक जाप के माध्यम से पुण्य अर्जन और आध्यात्मिक चेतना जागृत करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

कैपिटल समूह ने करुणा और सेवा के साथ मनाया महावीर जन्मोत्सव

छह स्थानों पर आयोजित हुए सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 'जैन सोशल समूह कैपिटल' द्वारा करुणा, सेवा एवं मानवता की भावना को साकार करते हुए विभिन्न सेवा गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समूह के सदस्यों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुँचकर नर-सेवा और जीव-सेवा के संकल्प को दोहराया।

सेवा सप्ताह के प्रमुख सेवा कार्य

वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री: जोहरी बाजार स्थित महिला वृद्धाश्रम में प्रमोद जैन एवं सुनीता जैन (स्पर्श परिवार) के सौजन्य से बुजुर्ग महिलाओं को आवश्यक खाद्य सामग्री वितरित की गई।

गौ-सेवा का संकल्प: दुर्गापुरा गौशाला में राजकुमार काला, संतोष, शोभित एवं आशिमा काला परिवार द्वारा गौ-सेवा करते हुए चारे, लड्डू एवं सब्जियों का वितरण किया गया।

जरूरतमंदों को भोजन: नगर निगम, लालकोठी स्थित इंदिरा रसोई में राजकुमार एवं शुभम बडजात्या के सौजन्य से लगभग सौ जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया।

वस्त्र एवं अल्पाहार वितरण: घाट गेट स्थित 'अपना घर' वृद्धाश्रम में राकेश पापड़ीवाल एवं शमीर्ला पापड़ीवाल परिवार द्वारा वस्त्र वितरित किए गए। वहीं, आदर्श नगर स्थित 'अपना घर' आश्रम में विनोद जैन, सुधा जैन एवं भावित जैन परिवार द्वारा अल्पाहार (नाश्ता) का वितरण किया गया।

छात्रों के बीच खुशियां: श्रमण संस्कृति संस्थान (महिला एवं बालक छात्रावास) में सुधीर गंगवाल एवं मंजू गंगवाल परिवार के सौजन्य से विद्यार्थियों को काजू कतली एवं मक्खन बड़े जैसे मिष्ठान वितरित किए गए।

अध्यक्षीय उद्बोधन

समूह के अध्यक्ष राजकुमार काला ने सभी सहयोगी सदस्यों एवं दानदाता परिवारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए किए गए ये कार्य समाज में मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा प्रकल्पों को निरंतर जारी रखने का संकल्प जताया।

धर्म से विमुख होना: व्यक्तिगत और सामाजिक पतन का मुख्य कारण

अनिल माथुर, ज्वाला-विहार, जोधपुर

मानव जीवन का आधार केवल भौतिक सुख-सुविधाओं का संचय करना नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक ध्येय आत्मिक उन्नति और नैतिक मूल्यों का निर्वहन है। धर्म हमें वह प्रकाश प्रदान करता है जो जीवन के अंधकारमय क्षणों में सही मार्ग दिखाता है और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति धर्म के मूल सिद्धांतों से दूर हो जाता है, तो उसका जीवन अनजाने में ही पतन की गहरी खाई की ओर बढ़ने लगता है।

धर्म का वास्तविक स्वरूप

धर्म का अर्थ केवल कर्मकांड, पूजा-पाठ या बाहरी रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं है। धर्म का वास्तविक अर्थ है—सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, कर्तव्यपरायणता और सदाचार को अपने आचरण में उतारना। धर्म वह विवेक है, जो हमें उचित और अनुचित के मध्य अंतर करना सिखाता है और मनुष्य को पशुवत प्रवृत्तियों से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाता है।

धर्म से दूरी के प्रमुख कारण

आज के आधुनिक और भागदौड़ भरे युग में मनुष्य कई कारणों से अपने धर्म और संस्कृति से कटता जा रहा है:

अत्यधिक भौतिकवाद: धन-संपत्ति और विलासिता की अंधी दौड़ में व्यक्ति आध्यात्मिकता को गौण समझने लगा है।

व्यस्त जीवनशैली: समय के अभाव का बहाना बनाकर लोग आत्मचिंतन और स्वाध्याय से दूर हो रहे हैं।

अज्ञानता और भ्रांतियां: धर्म के वास्तविक मर्म को समझे बिना उसे केवल अंधविश्वास या बोझ मान लेना।

स्वार्थ और अहंकार: जब व्यक्ति का 'स्व' (स्वयं का हित) सर्वोपरि हो जाता है, तो वह धर्म के मार्ग को त्याग देता है।

सांस्कृतिक विस्मृति: अपनी समृद्ध परंपराओं और जीवन मूल्यों की उपेक्षा कर अन्य संस्कृतियों का अंधानुकरण करना।

विमुखता के दुष्परिणाम

धर्म से दूरी व्यक्ति और समाज के लिए विनाशकारी सिद्ध होती है: **नैतिक ह्रास:** चरित्र की शुचिता समाप्त हो जाती है और व्यक्ति अनुचित कार्यों में संकोच नहीं करता। **मानसिक अशांति:** भौतिक समृद्धि के बाद भी मन में असंतोष, तनाव और व्याकुलता बनी रहती है। **सामाजिक विघटन:** परिवार और समाज में प्रेम, विश्वास, सहनशीलता और त्याग की भावना कम होने लगती है। **अपराधों में वृद्धि:** जब ईश्वरीय न्याय या धर्म का भय नहीं रहता, तो समाज में अनुशासनहीनता और मर्यादाओं का ह्रास होता है।

सुधार के मार्ग (समाधान)

आचरण में शुचिता: धर्म को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार में अपनाएं। **नियमित आत्मचिंतन:** प्रतिदिन कुछ समय मौन रहकर अपने विचारों और कृत्यों का मूल्यांकन करें। **सत्संग और स्वाध्याय:** महापुरुषों के विचार और उत्तम साहित्य का अध्ययन मन को भटकने से रोकता है। **सेवा और परोपकार:** भूखे को अन्न और दुखी को सहारा देना ही सबसे बड़ा धर्म है। **आध्यात्मिक समय:** दैनिक दिनचर्या में कुछ समय ध्यान और प्रार्थना के लिए सुरक्षित रखें।

उपवास आत्मशुद्धि और आरोग्य का अमोघ अस्त्र: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

बांसवाड़ा के रॉयल केसरी हॉल में उमड़ा गुरु भक्तों का सैलाब; आचार्य श्री ने स्वस्थ जीवन के लिए बताया संयम का महत्व

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागरजी महाराज ससंघ की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' इन दिनों राजस्थान के बांसवाड़ा अंचल में धर्म की गंगा बहा रही है। दीक्षा भूमि परतापुर की ओर अग्रसर इस पदयात्रा के दौरान आज बांसवाड़ा के रॉयल केसरी हॉल में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने उपवास और आत्म-संयम पर विशेष प्रकाश डाला।

सहज ऊर्जा का स्रोत है उपवास

आचार्य श्री ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ चीजें स्वभाव से ही अपनी ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया, ''जैसे अग्नि के समीप जाने से उष्णता, बर्फ के पास जाने से शीतलता और पुष्प वाटिका में जाने से सुगंध स्वतः प्राप्त होती है, वैसे ही उपवास करने से आरोग्यता और आत्मिक शक्ति स्वतः प्राप्त हो जाती है।'' उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का स्मरण कराते हुए कहा कि उपवास आत्मशुद्धि और सत्याग्रह का सबसे बड़ा शस्त्र है।

संयम से शक्ति का संचय

आचार्य श्री ने उपवास के विभिन्न प्रकारों—निर्जल, तरल (जल व पेय पदार्थ) और फलाहार पर चर्चा करते हुए बताया कि आधुनिक विज्ञान और योग गुरु भी खाली पेट रहने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ने की पुष्टि करते हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयमित जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि वे भी साधना के समय उपवास और एक समय भोजन का नियम पालन करते हैं। अपने निजी अनुभवों को साझा करते हुए आचार्य श्री ने बताया, ''तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की साधना के दौरान हमने पाँच सौ सत्तावन दिनों में से चार सौ छियानवे दिन निर्जल उपवास किए। केवल इकसठ दिन सात्विक आहार ग्रहण किया। यह अनुभव सिद्ध करता है कि संयम से मन और आत्मा अत्यंत शक्तिशाली बनते हैं।'' मंगलवार सुबह सात बजे अंतर्मना आचार्य श्री १०८ प्रसन्न सागरजी महाराज के चतुर्विध संघ का भव्य मंगल विहार सुपार्श्वनाथ चैत्यालय, संघवी परिवार, राजराजेश्वर कॉलोनी से प्रारंभ हुआ। साढ़े चार किलोमीटर की पदयात्रा के पश्चात संघ का लोधा रोड स्थित रॉयल केसरी हॉल में मंगल प्रवेश हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के दर्शन कर धर्म लाभ लिया। प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने बताया कि आचार्य श्री की यह पदयात्रा समाज में अहिंसा और संस्कारों के बीजारोपण हेतु निरंतर जारी है।

दिगम्बर जैन युवा परिषद कामवन को अयोध्या में मिला स्वर्ण जयंती गौरव अवार्ड

कामवन (कामां). शाबाश इंडिया। जैन समाज के लिए गर्व का विषय है कि दिगम्बर जैन युवा परिषद शाखा कामवन को अयोध्या में आयोजित 50वें स्वर्णिम राष्ट्रीय अधिवेशन में ह्स्वर्ण जयंती गौरव अवार्डह्व से सम्मानित किया गया। यह समारोह शाश्वत तीर्थ अयोध्या स्थित बड़ी मूर्ति जैन मंदिर में परम पूज्य गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। प्रदेश संयुक्त महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि कामवन शाखा की ओर से अध्यक्ष आकाश जैन सर्राफ, पूर्व अध्यक्ष मयंक जैन तथा गौरव जैन ने यह सम्मान प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्वस्ति रविंद्रकीर्ति स्वामी, न्यायमूर्ति विमला जैन, आईएएस सुरेश जैन, डॉ. अनुपम जैन, महासंघ महामंत्री विजय कुमार जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस सम्मान से कामवन सहित पूरे जैन समाज में हर्ष का माहौल है। समाज के अध्यक्ष अनिल

जैन, महामंत्री संजय बोलखेड़िया एवं अन्य सदस्यों ने इसे सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए सभी पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों को बधाई दी।

मुनि श्री सुधा सागर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, हाटकेश्वर के प्रांगण में तीन से पांच अप्रैल दो हजार छब्बीस तक 'मुनि पुंगव, निर्यापक श्रमण सुधा सागर जी महाराजः व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह गरिमामय आयोजन आचार्य श्री निर्भय सागर जी के शिष्य उपाध्याय श्री सुदत्त सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के शिष्य प्रसन्नमना मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों और मनीषियों ने मुनि श्री सुधा सागर जी के बहुआयामी जीवन, उनकी कठोर साधना और समाज निर्माण में उनके योगदान पर गंभीर शोध पत्र प्रस्तुत किए। वक्ताओं में दिल्ली से प्रो. रमेशचंद जैन, वाराणसी से प्रो. फूलचंद जैन 'प्रेमी' और प्रो. अशोक कुमार जैन, सांगानेर से प्राचार्य अरुण कुमार जैन, तथा बुरहानपुर से डॉ. सुरेंद्र जैन भारती सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए अस्सी से अधिक शोधार्थियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज का जीवन आधुनिक युग में श्रमण संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उनके तप और दर्शन पर आधारित यह संगोष्ठी विद्वानों को शोध और चिंतन के नवीन दृष्टिकोण प्रदान करेगी। संगोष्ठी का कुशल संयोजन डॉ. सुरेंद्र कुमार जैन भारती (बुरहानपुर) और जितेंद्र शास्त्री (अहमदाबाद) द्वारा किया गया। आयोजन के अंत में उत्कृष्ट शोधालेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों को सम्मानित भी किया गया।

- डॉ सुरेंद्र कुमार जैन भारती,
संयोजक

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान' पोस्टर का अनावरण

उदयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह दो हजार छब्बीस' के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया। सुविख्यात उद्योगपति और भामाशाह कानाराम शंकर धर्मचंद कुलरिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का संचालन 'राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट' द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था द्वारा ग्यारह निराश्रित बच्चों को गोद लेकर उनके उज्जवल भविष्य हेतु विशेष घोषणा की जाएगी। समारोह में देश के बारह से अधिक राज्यों की इकतीस उत्कृष्ट हस्तियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन सेवा और प्रतिभा के प्रोत्साहन का एक साझा मंच बनेगा।

सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करें विद्यार्थी: न्यायाधीश सत्यप्रकाश

साइबर अपराध जागरूकता अभियान के तहत रायपुर के विद्यार्थियों को दी गई सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी; हेल्पलाइन नंबर 1930 का बताया महत्व

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। साइबर अपराध जागरूकता अभियान के अंतर्गत रायपुर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सत्यप्रकाश ने इंटरनेट सुरक्षा के प्रति सचेत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कड़े शब्दों में सलाह दी कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी निजी जानकारी और फोटो कभी भी साझा न करें, क्योंकि यह सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल ने बताया कि यह कार्यक्रम सीबीईओ रायपुर, नरोत्तम कुमार दाधीच के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में न्यायाधीश ने वर्तमान में बढ़ते डिजिटल अपराधों से सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल सहायता हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर १९३० (उन्नीस सौ तीस) के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। जज साहब ने विद्यार्थियों को मोबाइल का सीमित उपयोग करने और केवल अभिभावकों की निगरानी में ही इंटरनेट चलाने की सीख दी। कार्यक्रम में पुलिस और विधि विभाग के अधिकारियों ने भी कानून संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधानों से अवगत कराया। इस अवसर पर हरदेव लाल गुर्जर, कैलाश रावल, रवि कुमार टेलर और दीपिका त्रिवेदी सहित विद्यालय का स्टाफ और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पीएम श्री राउमावि रावतसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम

विद्यार्थियों को मिली कानून व साइबर सुरक्षा की जानकारी

रावतसर (नरेश सिगची)

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रावतसर में एक प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक समझ विकसित करना तथा उन्हें जागरूक व जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना रहा। इसमें विशेष रूप से साइबर अपराधों और कानूनी प्रक्रियाओं के प्रति जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा कुमावत ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के साथ होने वाले साइबर अपराधों से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए किसी भी ऑनलाइन शोषण की स्थिति में तुरंत कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरीशंकर ने एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया और कहा कि न्याय पाने की दिशा में सही जानकारी और साहस जरूरी है। बार संघ रावतसर के अध्यक्ष अधिवक्ता विनोद स्वामी ने भी विद्यार्थियों को कानून के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ व उपप्रधानाचार्य पूनम ने मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछे। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

ब्यावर में 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' की अभूतपूर्व तैयारियां; जीतो की तीनों विंग्स ने कसी कमर

ब्यावर. शाबाश इंडिया

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा आगामी नौ अप्रैल दो हजार छब्बीस को आयोजित होने वाले 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' को लेकर ब्यावर शहर में भक्ति और उत्साह का वातावरण चरम पर है। पिछले वर्ष की सफलता को देखते हुए इस बार इस आध्यात्मिक आयोजन को और भी भव्य रूप देने का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जीतो मुख्य शाखा, लेडीज विंग और यूथ विंग ने अलग-अलग बैठकें कर तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। नौ अप्रैल को प्रातः आठ बजकर एक मिनट से नौ बजकर छत्तीस मिनट तक होने वाले इस सामूहिक जाप का उद्देश्य आत्म-शुद्धि और वैश्विक शांति का संचार करना है। ब्यावर में इस मुख्य कार्यक्रम का आयोजन विनोद नगर स्थित जवाहर भवन में रखा गया है। जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन रेनू छाजेड़ व सचिव जूली नाहटा और यूथ विंग के अध्यक्ष सिद्धार्थ श्रीश्रीमाल व सचिव मोहित कुमट ने डिजिटल माध्यमों से प्रचार-प्रसार की विशेष रणनीतियां तैयार की हैं। मीडिया

प्रभारी उज्ज्वल काला ने बताया कि इस वर्ष भी भारत सहित विश्व के एक सौ आठ से अधिक देशों में एक साथ नवकार मंत्र की स्वर लहरियां गुंजायमान होंगी। जीतो ब्यावर के चेयरमैन रतन प्रकाश कोठारी, मुख्य सचिव सुभाष चंद ओस्तवाल और कार्यक्रम समन्वयक वीना नाहर सहित पूरी टीम इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। जीतो परिवार ने समस्त समाज और विभिन्न संगठनों से सपरिवार इस आध्यात्मिक संगम में सहभागी बनने का विनम्र आग्रह किया है।

राष्ट्रीय एकता शिविर, मैसूर में सुबोध महाविद्यालय के स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का किया प्रभावशाली प्रदर्शन; प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने विद्यार्थियों के कौशल को सराहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय एकता शिविर' में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह सात दिवसीय शिविर कर्नाटक के मैसूर स्थित जे.एस.एस. उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी में आयोजित किया गया, जहाँ देश भर के युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिविर में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वयंसेवक संजू कुमावत, ज्योति सैनी, अनुराग सिंह एवं वैभव खांडल ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान, समूह चर्चाओं, सामाजिक गतिविधियों तथा विविध प्रतियोगिताओं में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा एवं गौरवशाली विरासत का सजीव प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह का ध्यान आकर्षित किया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय अखंडता, भ्रातृभाव तथा बहुविविधता में एकताह्न के मूल मंत्र को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इससे युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पवन शर्मा, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. विशाल गौतम एवं डॉ. राकेश धाभाई ने सभी स्वयंसेवकों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि और गौरवमयी सहभागिता हेतु बधाई दी। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के इस प्रयास को भविष्य के लिए प्रेरणादायक बताया।

मुक्ता जैन बनीं दिगंबर जैन महिला परिषद 'अंजना संभाग' की अध्यक्ष

जाल सभागृह में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में निर्मला जैन रहीं मुख्य अतिथि; दिव्यांग महिला को प्रदान की गई व्हीलचेयर

इंदौर. शाबाश इंडिया। धर्म, समाज, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय अग्रणी राष्ट्रीय संस्था 'अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद' के अंजना संभाग (इंदौर) की कमान श्रीमती मुक्ता जैन को सौंपी गई है। जाल सभागृह में आयोजित एक गरिमामय समारोह में उन्होंने अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। परिषद की केंद्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती माधवी शाह ने मुक्ता राजेश जैन 'दद्दू' को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर निवर्तमान संभाग अध्यक्ष अनीता जैन ने करतल ध्वनि के बीच नवनियुक्त अध्यक्ष को 'अध्यक्षीय पिन' लगाकर कार्यभार सौंपा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय सचिव श्रीमती प्रभा जैन एवं केंद्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरला सामरिया भी उपस्थित रहीं। **सेवा कार्य और सम्मान:** परिषद की सेवाभावी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 'उमंग शाखा' की अध्यक्ष रिंकू अजमेरा एवं हेमलता गोधा द्वारा एक दिव्यांग महिला को व्हीलचेयर भेंट की गई। साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर एक व्यक्ति के उपचार हेतु सहायता राशि का चेक भी प्रदान किया गया। श्रीमती मुक्ता जैन की इस उपलब्धि पर परिषद की विभिन्न शाखाओं की पदाधिकारियों एवं महिला सदस्यों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, रेखा जैन श्रीफल, डॉ. अपर्णा जैन, उषा पाटनी और साधना दगड़े सहित कई महिला संगठनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया है।

अनंत अंबानी की बड़ी पहल: केरल के मंदिरों और गजराजों के कल्याण हेतु अट्ठारह करोड़ रुपये का दान

दो सुप्रसिद्ध मंदिरों को दिए छह करोड़ रुपये; राजराजेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु अलग से बारह करोड़ रुपये की घोषणा

मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने केरल की अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान मंदिर संरक्षण और पशु कल्याण की दिशा में बड़ी घोषणाएं की हैं। उन्होंने केरल के दो अत्यंत प्राचीन और प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों–राजराजेश्वरम मंदिर और गुरुवायूर मंदिर के दर्शन किए तथा मंदिर प्रबंधन व जीव-सेवा हेतु कुल अट्ठारह करोड़ रुपये की सहायता राशि समर्पित करने का संकल्प लिया।

राजराजेश्वरम मंदिर का होगा कायाकल्प

अनंत अंबानी ने उत्तरी केरल के कन्नूर जिले के तलिपरंबा शहर में स्थित ऐतिहासिक राजराजेश्वरम मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर ट्रस्ट को तीन करोड़ रुपये का दान अर्पित किया। इसके साथ ही, उन्होंने इस प्राचीन देवालय के व्यापक जीर्णोद्धार के लिए अतिरिक्त बारह करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई। इस योजना के अंतर्गत मंदिर के ऐतिहासिक पूर्वी 'गोपुरम' (प्रवेश द्वार) का पुनरुद्धार किया जाएगा, जो लंबे समय से जर्जर अवस्था में था। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु आधारभूत ढांचे और वाहन पड़ाव (पार्किंग) व्यवस्था को भी आधुनिक बनाया जाएगा।

गुरुवायूर में गजराजों की सेवा को समर्थन

इसके पश्चात, अनंत अंबानी ने त्रिशूर जिले में स्थित सुप्रसिद्ध गुरुवायूर मंदिर में शीश नवाया और मंदिर देवस्वम बोर्ड को तीन करोड़ रुपये की राशि भेंट की। उन्होंने मंदिर की परंपराओं का अभिन्न अंग रहे हाथियों के कल्याण हेतु विशेष रुचि दिखाई। उनकी इस पहल के अंतर्गत हाथियों के लिए एक समर्पित चिकित्सालय, जंजीर मुक्त आश्रय स्थल और आधुनिक देखभाल सुविधाएं विकसित करने की योजना है। यह प्रयास उनकी वैश्विक वन्यजीव संरक्षण परियोजना 'वनतारा' के सिद्धांतों के अनुरूप पशुओं की वैज्ञानिक और मानवीय देखभाल सुनिश्चित करेगा।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत

इस अवसर पर मंदिर प्रशासन द्वारा अनंत अंबानी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया। उपस्थित जनसमूह और अधिकारियों को संबोधित करते हुए अनंत अंबानी ने कहा, भारत की आध्यात्मिक परंपराएं केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि

समाज, प्रकृति और करुणा को जोड़ने वाली जीवंत संस्थाएं हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए इस महान विरासत को सुरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। दोनों मंदिरों के बोर्ड अधिकारियों और मुख्य पुजारियों ने इस उदार सहयोग हेतु उनका आभार व्यक्त किया।

जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री किट वितरित

विधवाओं को हर माह मिलेगी सहायता

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर में समग्र सेवा मिशन संस्थान की ओर से विधवा, असहाय एवं जरूरतमंद महिलाओं हेतु विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्थान द्वारा बड़ी संख्या में परिवारों को खाद्य सामग्री के किट और भीषण गर्मी को देखते हुए बिजली के पंखे वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजक एवं सर्व समाज विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओपी टांक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व संस्था अध्यक्ष सिद्धांत शर्मा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बस्ती के अभावग्रस्त परिवारों को संबल प्रदान करना है। भाजपा कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ओपी टांक ने विश्वास दिलाया कि समाज के वंचित वर्ग के उत्थान हेतु ऐसे सेवाभावी कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) सिद्धांत शर्मा ने घोषणा की कि विधवा महिलाओं को खाद्य सामग्री के किट अब प्रत्येक माह नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोजन के साथ-साथ अन्य आवश्यक सहायता सामग्री का वितरण भी आवश्यकतानुसार किया जाएगा। इस अवसर पर कठपुतली नगर विकास समिति के उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, महामंत्री गजानंद खींची, पार्षद प्रत्याशी हेमराज खींची और विनोद भाट सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संस्थान के इस मानवीय प्रयास की स्थानीय निवासियों ने सराहना की है।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 127 की जांच, 21 रोगियों का सफल ऑपरेशन

निवाई. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति एवं लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय चिकित्सालय, निवाई में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। अंधता नियंत्रण समिति, टोंक के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 127 मरीजों की आंखों की गहन जांच की गई। महासमिति के संभाग मंत्री विमल जौंला ने बताया कि जांच के पश्चात 21 गंभीर रोगियों का चयन कर उनके नेत्रों में आधुनिक तकनीक से निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण (ऑपरेशन) किया गया। इस अवसर पर महासमिति के संभाग अध्यक्ष हुकमचंद जैन, विमल पाटनी और पीएमओ डॉक्टर योगेंद्र विजय सहित अन्य सदस्यों ने ऑपरेशन के बाद मरीजों को चश्मे, अल्पाहार और दवाइयां वितरित कीं। अध्यक्ष हुकमचंद जैन ने रोगियों को आंखों की सुरक्षा हेतु धूल, धूप और धुएं से बचाव की सलाह दी। शिविर में निवाई सहित पीपलू, शिवाड़, वनस्थली और बौंली तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों ने लाभ उठाया। महासमिति ने आगामी शिविरों हेतु भी ग्रामीणों को प्रेरित किया।

अरथूना में पाँच दिवसीय फिजियोथेरेपी शिविर का शुभारंभ

प्रथम दिन 80 रोगियों ने उठाया लाभ

अरथूना. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल, अरथूना के सौजन्य से सात अप्रैल से ग्यारह अप्रैल 2026 तक चलने वाले पाँच दिवसीय निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। इस शिविर में जोधपुर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टर रूपेश पवार और स्थानीय चिकित्सक डॉक्टर यशी जैन के साथ उनकी टीम के सहयोगी राजवीर शेखावत एवं पूनम पवार द्वारा रोगियों का उपचार किया जा रहा है। शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अजीत कोठिया (अंतरराष्ट्रीय निदेशक) और विशिष्ट अतिथि कल्पित जैन (अध्यक्ष, जैन समाज युवा महासभा) उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता राजमल सोनी ने की। प्रथम दिन ही विभिन्न गाँवों से आए 80 रोगियों का पंजीकरण कर उन्हें घुटने व कमर दर्द, सर्वाइकल, सायटिका और शारीरिक जकड़न जैसी समस्याओं से राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के सचिव दिलीप दोसी, कोषाध्यक्ष केसरीमल दोसी, उपाध्यक्ष गेंदालाल जैन और समाजसेवी पंकज पाटीदार सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहयोग प्रदान किया। मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने संस्था के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए आमजन से अगले पाँच दिनों तक इस विशेषज्ञ सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। संचालन सचिव दिलीप दोसी ने किया और अंत में केसरीमल दोसी ने सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जैन सोशल ग्रुप महानगर का 59वां सेवा प्रकल्प संपन्न

दुर्गापुरा गौशाला में किया गया चारा वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'जैन सोशल ग्रुप महानगर' द्वारा सेवा और करुणा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रविवार, 5 अप्रैल 2026 को अपना 59वाँ मासिक सामाजिक सहायता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दुर्गापुरा स्थित गौशाला में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में गौ-वंश को पौष्टिक आहार अर्पित किया गया। समूह के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल और सचिव विनीत जैन ने जानकारी दी कि वर्ष 2021 से यह पुनीत कार्य प्रति माह निरंतर जारी है। इस बार के कार्यक्रम के पुण्यार्जक कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद जैन और प्रीति जैन रहे। सेवा कार्य के दौरान गायों को हरा चारा, लौकी, ककड़ी, गुड़, लड्डू और रोटियां खिलाई गईं। सामाजिक कार्यक्रम के संयोजक रवि प्रकाश जैन ने पुण्यार्जक परिवार का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि समूह के सदस्य उत्साहपूर्वक आगे बढ़कर इस सेवा यात्रा में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सी एस जैन, उपाध्यक्ष सुनील जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुनील गोधा, मनीष-सीमा जैन, कमलेश जैन और पुखराज-गीतिका जैन सहित महानगर समूह के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में संयोजक ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

आदिवासी अंचल में खेती की नई राह

कम जमीन में अधिक आय का सशक्त मॉडल

सफेद मूसली और कंदवर्गीय फसलों पर केंद्रित प्रशिक्षण शिविर संपन्न; सांसद डॉ. मन्ना लाल रावत ने किसानों को किया प्रोत्साहित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संसदीय संकुल विकास परियोजना के अंतर्गत उदयपुर के आदिवासी अंचल में खेती को लाभ का धंधा बनाने हेतु एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्या भवन कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित इस शिविर में देवास और चावंड संकुल के 40 से अधिक आदिवासी प्रगतिशील किसानों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उदयपुर सांसद डॉ. मन्ना लाल रावत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सफेद मूसली जैसी औषधीय और कंदवर्गीय फसलें कम भूमि वाले किसानों के लिए आय का एक सशक्त और स्थायी विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डॉ. रावत ने किसानों से आग्रह किया कि वे 'किसान सम्मान निधि' जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर समय पर उन्नत बीज और उर्वरक सुनिश्चित करें। सांसद ने 'जी राम जी' पहल और 'पीएम कुसुम योजना' का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे सौर ऊर्जा और स्थानीय संसाधनों के विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई प्रशिक्षण और वन्यजीवों से फसल सुरक्षा के लिए सीताफल रोपण जैसी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीक, जैविक खेती और बाजार प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी, जो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक बना।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की संरक्षक निर्मला पांड्या सम्मानित

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति, अजमेर संभाग की संरक्षक निर्मला पांड्या को जयपुर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके सामाजिक एवं धार्मिक योगदान को सराहा गया। महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया ने बताया कि निर्मला पांड्या न केवल अजमेर, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्था की एक मजबूत स्तंभ हैं। वर्ष 1995 में महासमिति की स्थापना से ही वे तन, मन और धन से संस्था के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं तथा संगठन को निरंतर सशक्त बना रही हैं। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में समाचार जगत के चक्रेश जैन के करकमलों द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्मला पांड्या एक उत्कृष्ट कवयित्री होने के साथ-साथ जैन शास्त्रों की गहरी ज्ञाता हैं। वे जैन पाठशाला का संचालन भी सुनियोजित ढंग से करती हैं, जिससे समाज में संस्कार एवं धार्मिक शिक्षा का प्रभावी प्रसार हो रहा है। इस सम्मान से समाज में हर्ष का माहौल है तथा विभिन्न समाजजनों ने निर्मला पांड्या को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्रीमद्भागवत कथा जीवन की सार्थकता का प्रेरक आधार: संत अभयदास

कथा के चतुर्थ दिवस पर उमड़ा जनसैलाब; कृष्ण जन्मोत्सव की झांकियों ने मोह लिया भक्तों का मन

भीनमाल. शाबाश इंडिया

स्थानीय निमगोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन संत अभयदास महाराज ने भक्ति की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में भगवान शिव ही परम वैष्णव हैं। शिव और विष्णु एक-दूसरे का स्मरण करते हैं; अतः शैव और वैष्णव परंपराओं के मध्य आराध्य के नाम पर कोई वास्तविक भेद नहीं है। दोनों ही सार्वभौमिक रूप से एक ही शक्ति के रूप हैं। संत श्री ने भारत भूमि की महिमा गाते हुए कहा कि यह वह पावन धरा है जहाँ सूर्य देव वर्ष भर अपनी ऊर्जा से चराचर जगत को ओतप्रोत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र ऐसी भूमि है जहाँ जन्म लेकर मनुष्य मृत्यु के पश्चात की अपनी आध्यात्मिक यात्रा को भी सुनिश्चित कर सकता है, जैसा कि

हमारे सनातन शास्त्र प्रतिपादित करते हैं।

नंद के आनंद भयो: धूमधाम से मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वृंदावन बिहारी की अनुपम झांकियों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाल रूप श्रीकृष्ण, बाल मुकुंद और नंद बाबा की सजीव झांकियों के दर्शन

कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पांडाल में उपस्थित मातृशक्ति और भक्तजन 'नंद के आनंद भयो' के जयकारों के साथ झूमते-गाते नजर आए। गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा और मंगल गीतों के बीच जाखोब गंग सरोवर का तट पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर प्रेमाराम बंजारा, गेमाराम परमार, चम्पालाल शर्मा, पहाड़सिंह राव, दिनेश दवे, श्यामलाल दवे, नेनाराम चौहान और कपूराराम जीनगर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुनि श्री प्रणम्य सागर से लिया आशीर्वाद

जीव-दया पर संतों का मार्गदर्शन अनुकरणीय

सिंगोली. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध जैन संत मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित पंचकल्याणक महा महोत्सव का भव्य समापन भगवान के मोक्षकल्याणक के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर गुरुवर के चरणों में कोटि-कोटि वंदन किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सत्य और निर्भीकता का मार्ग

समारोह को संबोधित करते हुए श्री ओम बिरला ने कहा कि संतों के वचन समाज के लिए पथप्रदर्शक दीपक के समान होते हैं। उन्होंने मुनि श्री की निर्भीकता की सराहना करते हुए कहा कि संत न किसी लाभ की कामना रखते हैं और न ही किसी हानि का भय; वे केवल सत्य और करुणा के मार्ग पर अडिग रहते हैं। श्री बिरला ने विशेष रूप से मुनि श्री द्वारा जीव-दया जैसे संवेदनशील विषयों पर दिए गए मार्गदर्शन को प्रेरणादायी बताया।

जीव-दया और वर्तमान चुनौतियां

कार्यक्रम के दौरान मांस निर्यात के बढ़ते आंकड़ों और मत्स्य व मुर्गी पालन को कृषि का दर्जा दिए जाने जैसे विषयों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। लोकसभा अध्यक्ष ने स्वीकार किया कि राजनीतिक सीमाओं से परे संतों का निष्पक्ष मार्गदर्शन ही समाज को सही दिशा दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि संतों का साहस—सत्य को सत्य कहना—आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक और अनुकरणीय है। मांगलिक क्रियाओं के अंतर्गत जब श्री ओम बिरला ने अर्हम गुरु श्री प्रणम्य सागर महाराज के चरणों का पद प्रक्षालन किया, तो वे पूरी तरह भावविभोर हो उठे। संतों के प्रति उनकी यह अगाध श्रद्धा उपस्थित जनसमूह के लिए आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम के दौरान संरक्षक पारस जैन 'हरसौरा' एवं अध्यक्ष भरत जैन के नेतृत्व में लोकसभा अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस ऐतिहासिक महोत्सव का समापन भक्तिमय वातावरण के बीच हुआ।

अयोध्या में युवा परिषद् का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न; कर्मयोगी रवीन्द्र कीर्ति स्वामी 'युग पुरुष' उपाधि से सम्मानित

अयोध्या. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 5 अप्रैल 2026 को अयोध्या की पावन धरा पर 'स्वर्ण जयंती एवं अवार्ड समर्पण समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। यह गरिमामय कार्यक्रम गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी, प्रज्ञाश्रमणी श्री चंदनामती माताजी एवं मुनि श्री विभास्वर सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

प्रमुख सम्मान और पुरस्कार

समारोह में जैन संस्कृति के संरक्षण हेतु पूज्य स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी को परिषद् द्वारा 'युग पुरुष' की सर्वोच्च उपाधि से विभूषित किया गया। इसके साथ ही, जवाहरलाल जैन (सिकंदराबाद) को 'कर्मठ व्यक्तित्व पुरस्कार' प्रदान किया गया। परिषद् की सबसे प्राचीन 'कामां शाखा' को स्वर्ण जयंती गौरव सम्मान मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रताप नगर संभाग (जयपुर) को 'आउटस्टैंडिंग शाखा', कोल्हापुर (महाराष्ट्र) को 'एक्सीलेंट अवार्ड' और टिकैतनगर को 'बेस्ट परफॉर्मेंस' अवार्ड से नवाजा गया।

संगठनात्मक चर्चा

परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन (जयपुर) ने बताया कि स्वर्ण जयंती वर्ष में सभी शाखाएं सामाजिक और धार्मिक आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़ेंगी। समारोह में सेवा शिरोमणि सम्मान से उदयभान जैन, दिलीप जैन (जयपुर), मनोज जैन (मेरठ), डॉ. अनुपम जैन (इंदौर), बिजेंद्र जैन (दिल्ली) और कैलाश जैन (लखनऊ) को सम्मानित किया गया। नव-दंपतियों को 'स्वर्ण श्री' उपाधि प्रदान की गई।

संतों का पावन उद्बोधन

गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे श्रमण परंपरा और जैन संस्कृति के संरक्षण हेतु आगे आएं। मुनि श्री विभास्वर सागर जी ने परिषद् के कार्यों को मंगल आशीर्वाद देते हुए मुनियों के आहार-विहार में सक्रिय सहयोग की प्रेरणा दी। रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी ने परिषद् को युवाओं की सबसे प्राचीन और प्रभावी संस्था बताया।

अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने की। मुख्य अतिथि जम्बू प्रसाद जैन (गाजियाबाद) सहित विशिष्ट अतिथि सुरेश जैन (पूर्व प्रशासनिक अधिकारी), जस्टिस विमला जैन और हंसमुख गांधी उपस्थित रहे। हंसमुख गांधी ने आचार्य देशभूषण महाराज पुरस्कार हेतु 1,11,111 रुपये की सहयोग राशि की घोषणा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन बिजेंद्र जैन और दिलीप जैन ने किया।

निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 136 रोगी लाभान्वित; विशेषज्ञों ने दी योग की सलाह

गुलाबपुरा. शाबाश इंडिया। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा द्वारा माह के प्रथम मंगलवार को संस्था परिसर में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. चंडक ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 136 मरीजों का परीक्षण किया, जिनमें 19 नए रोगी सम्मिलित थे। सभी चिन्हित रोगियों को संस्था की ओर से निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर के दौरान अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव के उपाय बताते हुए नियमित योगाभ्यास पर बल दिया। इस पुनीत कार्य के मुख्य लाभार्थी स्वर्गीय धर्मीचंद चौधरी की पुण्य स्मृति में कमला देवी, निहाल चंद और गौरव चौधरी का परिवार रहा। कोषाध्यक्ष राजेंद्र चोरड़िया ने लाभार्थी परिवार का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। विशेष सेवा के अंतर्गत, बादाम बाई की स्मृति में शांतिलाल और विनीत कुमार डांगी द्वारा पूरे अप्रैल माह के शिविरों हेतु निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर 250 से अधिक व्यक्तियों ने भोजन प्रसादी का लाभ उठाया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मदन लाल लोढ़ा, बंशीलाल डोसी, सुशील चौधरी और अनिता रांका सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर का कुशल संचालन अनिल चौधरी द्वारा किया गया।

ऐलनाबाद में 5वां अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन संपन्न

5 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था 'दिव्या युवा मंच' द्वारा वार्ड 9 स्थित श्री श्याम हवेली में आयोजित '5वाँ अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्था के संस्थापक सुभाष चौहान ने बताया कि युवा सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित इस भव्य समागम में भारत के 20 राज्यों और विश्व के 5 देशों के लगभग 100 प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

शांति यात्रा और नशा मुक्ति का संदेश

सम्मेलन के प्रथम दिन विश्व शांति हेतु चौधरी देवीलाल चौक से गांधी चौक तक पैदल यात्रा निकाली गई, जिसे वरिष्ठ नेता अमीरचंद मेहता ने हरी झंडी दिखाई। अगले दिन नशा मुक्ति के संकल्प के साथ पंचमुखी चौक से अंबेडकर चौक तक वैश्विक साइकिल यात्रा का आयोजन हुआ। स्थानीय ब्रह्माकुमारी आश्रम की ओर से सभी प्रतिभागियों का आत्मीय स्वागत कर 'ब्रह्म भोज' कराया गया। मुख्य कार्यक्रम में विधायक भरत सिंह बेनीवाल के सुपुत्र सुमित बेनीवाल और होशियार सिंह खोड ने समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को 'वीरांगना अवार्ड' से सम्मानित किया। सम्मेलन के अंतिम दिन योग साधना मंदिर में योग गुरु मंजू धानुका ने योग अभ्यास कराया, जिसके पश्चात विदेशी मेहमानों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने हरप्रभ आश्रम का भ्रमण कर वहां रह रहे निराश्रित और मंदबुद्धि व्यक्तियों की सेवा प्रणाली को समझा, जिसे देखकर कई प्रतिनिधि भावुक हो उठे। संस्था की ओर से सभी आगंतुकों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और किट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलश शोभायात्रा में उमड़ा मातृशक्ति का सैलाब

पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारबिंद से भीलवाड़ा में पहली बार शिव महापुराण कथा आज से; 2100 मंगल कलशों के साथ निकाली भव्य यात्रा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा के बाशिंदों ने सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा और देश भर से पधार रहे शिव भक्तों के स्वागत में पलक पावड़े बिछा दिए हैं। शहर के न्यू आजादनगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में बुधवार, 8 अप्रैल से सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक होने वाली इस कथा हेतु पंडित प्रदीप मिश्रा मंगलवार शाम भीलवाड़ा पहुंच गए, जहां आयोजन समिति ने उनका भव्य अभिनंदन किया।

2100 कलशों के साथ गूंजी धर्म नगरी

कथा की पूर्व संध्या पर मंगलवार को राजेंद्र मार्ग स्कूल से विशाल कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसमें 2100 मंगल कलश धारण किए मातृशक्ति का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरे मार्ग पर केवल केसरिया और चुंदड़ी के रंग ही नजर आ रहे थे। शोभायात्रा में अश्वों पर धर्म ध्वज लिए भक्त सबसे आगे थे, जिनके पीछे ढोल-नगाड़ों और बैंडबाजों की मधुर स्वरलहरियों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। यात्रा में महंत बाबूगिरी महाराज, मोहनशरण शास्त्री और संतदास महाराज सहित कई प्रतिष्ठित संत-महात्माओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

11 लाख वर्ग फीट में भव्य तैयारियां

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मेडिसिटी ग्राउंड में करीब 11 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में व्यवस्थाएं की गई हैं। इसमें 4.5 लाख वर्ग फीट पर विशाल वाटरप्रूफ डोम और पांडाल बनाए गए हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए पांडाल में कूलर, पंखे और शुद्ध पेयजल के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। आयोजन स्थल पर मेडिकल टीम और एम्बुलेंस हर समय तैनात रहेगी। श्रद्धालुओं हेतु पन्नाधाय सर्किल के पास विशाल भोजनशाला तैयार की गई है, जहाँ प्रतिदिन 20,000 भक्तों के भोजन की व्यवस्था रहेगी।

डिस्पोजेबल मुक्त रहेगा आयोजन स्थल

आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक अशोक कोठारी ने बताया कि स्वच्छता बनाए रखने हेतु कथा स्थल को 'डिस्पोजेबल मुक्त' रखा गया है। श्रद्धालुओं से स्वयं की पानी की बोतल साथ रखने और कीमती आभूषण न पहनकर आने का आग्रह किया गया है। यातायात सुगमता हेतु प्रशासन ने विभिन्न मार्गों पर निर्धारित पार्किंग स्थल बनाए हैं। मीडिया प्रभारी निलेश कांठेड़ के अनुसार, शहर के प्रमुख चौराहों से होती हुई शोभायात्रा पुनः राजेंद्र मार्ग स्कूल पहुँचकर संपन्न हुई, जहाँ पुष्पवर्षा के साथ भक्तों का स्वागत किया गया।

विश्व नवकार दिवसः आत्मशुद्धि और समता का पावन संदेश

नितिन जैन, पलवल

विश्व नवकार दिवस, 9 अप्रैल का दिन जैन समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अत्यंत पवित्र और प्रेरणादायक अवसर है। यह दिन हमें उस महान महामंत्र की स्मृति दिलाता है, जिसे जैन दर्शन में सर्वोच्च और सर्वमान्य स्थान प्राप्त है– 'नवकार मंत्र'। यह मंत्र किसी विशिष्ट व्यक्ति या देह की स्तुति नहीं है, बल्कि उन महान आत्माओं के गुणों का वंदन है, जिन्होंने राग-द्वेष और मोह-माया पर विजय प्राप्त कर पूर्ण आत्मज्ञान प्राप्त किया है। गुणों की इसी प्रधानता के कारण इसे ''मंत्रों का राजा'' कहा जाता है।

नवकार मंत्र का मूल स्वरूप और अर्थ

प्राकृत भाषा में निबद्ध इस महामंत्र की प्रत्येक पंक्ति गहन आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है:

णमो अरिहंताणं। णमो सिद्धाणं। णमो आयरियाणं।
णमो उवज्झायाणं। णमो लोए सव्व साहूणं।।
एसो पंच नमोकारो, सव्व पावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवई मंगलं।।

इस मंत्र में 'अरिहंत' वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओं– क्रोध, मान, माया और लोभ को जीत लिया है। 'सिद्ध' वे मुक्त आत्माएं हैं जो जन्म-मरण के चक्र से परे हो चुकी हैं। 'आचार्य' धर्म संघ के कुशल मार्गदर्शक हैं, 'उपाध्याय' ज्ञान के प्रदाता विद्वान हैं और 'साधु' वे तपस्वी हैं जो संयम का जीवन जीते हैं। यह मंत्र हमें व्यक्ति-पूजा के स्थान पर गुण-पूजा का मार्ग दिखाता है। आज के भौतिकवादी युग में, जब मनुष्य मानसिक अशांति और तनाव से घिरा है, नवकार मंत्र एक दिव्य औषधि के समान कार्य करता है। इसके नियमित जाप से विचारों में शुद्धता आती है और जीवन में

सकारात्मकता का संचार होता है। विश्व नवकार दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल मंत्रोच्चार नहीं, बल्कि इसके गूढ़ अर्थ को आचरण में उतारना है। अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों को अपनाना ही इस दिवस की सच्ची सार्थकता होगी।

आत्मचिंतन का अवसर

9 अप्रैल का यह दिन हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में धर्म के मार्ग पर अग्रसर हैं या केवल बाह्य आडंबरों में उलझे हैं? 'णमो अरिहंताणं' का उच्चारण करते समय हमें स्वयं के विकारों को जीतने का संकल्प लेना चाहिए। विश्व नवकार दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आंतरिक जागृति का आह्वान है। यह हमें सिखाता है कि सच्ची पूजा प्रदर्शन में नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपी दिव्यता को पहचानने में है। आइए, इस 9 अप्रैल को हम संकल्प लें कि नवकार मंत्र के संदेश को अपने जीवन का आधार बनाएंगे और समाज में नैतिक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे।

'अरिहंत' वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओं– क्रोध, मान, माया और लोभ को जीत लिया है। 'सिद्ध' वे मुक्त आत्माएं हैं जो जन्म-मरण के चक्र से परे हो चुकी हैं। 'आचार्य' धर्म संघ के कुशल मार्गदर्शक हैं, 'उपाध्याय' ज्ञान के प्रदाता विद्वान हैं और 'साधु' वे तपस्वी हैं जो संयम का जीवन जीते हैं। यह मंत्र हमें व्यक्ति-पूजा के स्थान पर गुण-पूजा का मार्ग दिखाता है।